केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, प्रीत विहार, दिल्ली-110092

प्रेस प्रकाशनी

प्रशिक्षक प्रमाणन पाठ्यक्रम हेतु सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंधन संस्थान के साथ सहयोग/सहभागिता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसा के अनुसरण में, जिसमें सभी शिक्षकों/प्रधान शिक्षकों के लिए 50 घंटे का सतत व्यावसायिक विकास अनिवार्य है, सीबीएसई ने अपने शिक्षकों को सशक्त बनाने हेतु एक महत्वपूर्ण पहल की है। बोर्ड ने भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के तहत सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंधन संस्थान (आईएसटीएम) के साथ **2-दिवसीय प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (ToT) प्रमाणन पाठ्यक्रम** आयोजित करने हेतु एक अनुबंध (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। आईएसटीएम प्रशिक्षण कौशल प्रदान करने में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है जिसमें प्रत्यक्ष प्रशिक्षक कौशल (DTS) एवं प्रशिक्षण का डिजाइन (DoT) शामिल हैं। **प्रशिक्षक प्रमाणन पाठ्यक्रम** में डीटीएस और डीओटी के मुख्य घटकों एवं बाल एवं किशोर विकास के एकीकृत दृष्टिकोण के घटक को भी सम्मिलित किया गया है। पाठ्यक्रम के पायलट कार्यक्रम का शुभारंभ आज 23 अगस्त 2024 को अकादमिक ब्लॉक, आईएसटीएम, ओलोफ मार्ग, नई दिल्ली में सीबीएसई के अध्यक्ष श्री राहुल सिंह द्वारा किया गया। अध्यक्ष, सीबीएसई ने इस अवसर पर विद्यालयों को नए युग के शिक्षण तंत्र की ओर अग्रसर करने हेतु सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया जो भविष्य की कार्यप्रणाली को परिलक्षित करेगी। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में, सीबीएसई का लक्ष्य, लगभग 15000 विषय विशेषज्ञों को, कई समूहों में प्रशिक्षित करना है। बोर्ड अपने संबद्ध विद्यालयों में विशेषज्ञों के इस प्रशिक्षित समूह के माध्यम से 13 लाख शिक्षकों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम हो सकेगी। विभिन्न विषयों में सभी पदों पर अनुभवी शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन पंजीकरण हेतु लिंक https://cbseit.in/cbse/training/register_rp_new.aspx उपलब्ध है। 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को साकार करने एवं शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने हेतु, सीबीएसई की यह पहल प्रशिक्षण मानकों को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। इस अवसर पर कार्मिक और प्रशिक्षण, भारत सरकार विभाग की संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण) सुश्री छवि भारद्वाज भी मौजूद थीं जिनके समक्ष सीबीएसई एवं आईएसटीएम के बीच समझौता ज्ञापन का निदेशक, आईएसटीएम श्री राजीव मांझी और सीबीएसई के निदेशक (प्रशिक्षण) श्री मनोज श्रीवास्तव के बीच आदान प्रदान किया गया। सीबीएसई के सचिव श्री हिमांशु गुप्ता ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उल्लिखित सतत व्यावसायिक विकास एवं शिक्षकों की महती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सभी को इस प्रशिक्षक प्रमाणन पाठ्यक्रमका लाभ उठाने का आह्वान किया। आईएसटीएम के निदेशक श्री राजीव मांझी ने भी सभा को संबोधित करते हुए विषय पर अपने बहुमूल्य विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन आईएसटीएम के संयुक्त निदेशक श्री दीपक द्वारा किया गया।

यह प्रशिक्षण निःशुल्क है। यह शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (NPST) में परिभाषित योग्यता मापदंडों ('कुशल' 'उन्नत' एवं'विशेषज्ञ') के अनुरूप प्रगति करने में सहायक है। पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, प्रतिभागियों को सीबीएसई और आईएसटीएम द्वारा संयुक्त रूप से हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा। यह पाठ्यक्रम विशेषज्ञों को प्रभावी प्रशिक्षण हेतु आवश्यक तकनीकों और प्रशिक्षण कौशल से सन्नद्ध करेगा। अखिल भारतीय स्तर पर अभिगम एवं प्रतिभागिता को सुनिश्चित करने हेतु इसे विभिन्न शहरों में आयोजित किया जा रहा है। सीबीएसई से संबद्ध सभी विद्यालयों के प्रमुख एवं उनके सक्षम शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी अपेक्षित है और इसके लिए ऊपर दिए गए लिंक पर ऑनलाइन पंजीकरण किया जा सकता है।

Central Board of Secondary Education, Preet Vihar, Delhi- 110092

PRESS RELEASE

CBSE collaborates with the Institute of Secretariat Training and Management for Trainers Certification Course for CBSE Resource Persons

In pursuit of the recommendations of the NEP 2020 which stipulates mandatory 50 Hours of continuous professional development for all teachers / head teachers, the CBSE has taken a significant step for empowering its teachers. CBSE has signed an MoU with the Institute of Secretariat Training and Management (ISTM) under the Dept. of Personnel & Training, Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions, Govt. of India for conducting a **2-Days Training of Trainers (ToT) Certification Course**. The ISTM is known for its expertise in imparting core training skills which involves Direct Trainers Skills (DTS) and Design of Training (DoT). This Course has been designed amalgamating the core components of the DTS and DoT and the Integrated Approaches to Child & Adolescent Development. The pilot programme of the curriculum was launched today on **23**rd August **2024** at Academic Block, ISTM, Olof Marg, New Delhi by Shri Rahul Singh, Chairman, CBSE.

The Chairman, CBSE emphasized that we need to empower our schools to transition towards new-age learning mechanisms that closely reflect the future of work. To realize this vision to make India a developed nation by 2047 and to improve the quality of education, the CBSE has taken up this initiative which would go a long way in achieving training standards. Under the aegis of the Ministry of Education, Govt. of India, CBSE is targeting to train nearly 15000 Resource Persons (RPs) in several batches. Board will be catering to the training needs of 13 lakhs teachers in its affiliated schools through this trained pool of resource persons.The link for online registration for experienced teachers holding different positions and subjects is available at https://cbseit.in/cbse/training/register_rp_new.aspx.This training is free of cost. It also helps in progressing in accordance with the competency parameters ('Skilled', 'Advanced' and 'Expert') defined in the National Professional Standards for Teachers (NPST). On successful completion of the course, the participants will be awarded a certificate jointly signed by CBSE and ISTM. This course will equip the experts with the techniques and training skills required for effective training. It is being organized in different cities to ensure access and participation at the all India level. Active participation of heads of all CBSE affiliated schools and capable teachers in various subjects is expected and online registration can be done on the link given above.

On this occasion Ms. Chhavi Bhardwaj, Joint Secretary (Training), Department of Personnel and Training, Government of India was also present in whose presence the MoU between the CBSE and ISTM was exchanged by Director, ISTM, Shri Rajiv Manjhi and Director (Training) CBSE, Shri Manoj Shrivastava. On the occasion Shri Himanshu Gupta, Secretary, CBSE highlighted the importance of continuous professional development as mentioned in the National Education Policy 2020 and called upon all to take advantage of this trainers' certification course. The Director,ISTM,Shri Rajiv Manjhi also addressed the gathering and shared valuable viewpoints on the subject. The programme was conducted by Shri Deepak, Joint Director, ISTM.

****

Glimpse: